दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 27 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 31

नया भारत विश्व में अपना उचित स्थान पाने के लिए आगे बढ़ रहा है : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में 25 विद्यार्थियों को 33 स्वर्ण पदक एवं 6 विद्यार्थियों को सुपर स्पेशलिस्ट की मिली उपाधि

- अच्छे स्वास्थ्य से बढती है उत्पादकता और रचनात्मकता: राष्ट्रपति
- मानव सेवा मार्ग का यह उत्कृष्ट शुरूआत है: राज्यपाल डेका
- छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से किया जा रहा है विस्तार: मुख्यमंत्री साय

रायपुर

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दूसरे दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह के अवसर पर वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में विकसित छत्तीसगढ़ का बहुत महत्वपूर्ण योगदान होगा। समग्र विकास के लिए नागरिकों का अच्छा स्वास्थ्य महत्वपूर्ण होता है। अच्छा स्वास्थ्य लोगों की उत्पादकता और रचनात्मकता को बढ़ाने में सहायक होता है। राष्ट्रपति मुर्मु ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह शामिल होकर संस्थान के 25 विद्यार्थियों को 33 स्वर्ण पदक एवं 6 विद्यार्थियों को सुपर स्पेशलिस्ट की उपाधि प्रदान की।

राज्यपाल ने कहा कि यह विद्यार्थियों की अथक प्रयासों, त्याग और समर्पण का प्रतीक है। यह विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक उपलब्धि ही नहीं है बल्कि मानव सेवा के मार्ग पर एक उत्कृष्ट शुरुआत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तेजी से किया जा रहा है, जहां नव-प्रशिक्षित चिकित्सकों की आवश्यकता को पूरा किया जा रहा है। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रदीप कुमार पात्रा, रजिस्ट्रार सहित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एवं उनके परिजन उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के इस दीक्षांत समरोह के अवसर पर 6337 चिकित्सकों को उपाधि प्रदान की जाएगी। इनमें 6 सुपरस्पेशलिस्ट चिकित्सक, 606 स्नातकोत्तर चिकित्सक और 5725 स्नातक चिकित्सक शामिल हैं। इसके अलावा 25 चिकित्सकों को स्वर्ण पदक से अलंकृत किया गया।

राष्ट्रपति ने कहा कि जनजाति समाज में सिकल सेल एनीमिया की अभी भी समस्या है। भारत सरकार सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कर्मी ही अग्रिम पंक्ति में होते हैं। आप सामान्य लोगों को स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जागरूक बना सकते हैं, आम नागरिकों को सरकार द्वारा किए जा रहे हैं प्रयासों से अवगत करा सकते हैं। आप नीति निर्माता और सम्माननीय जनता के बीच सेतु का कार्य कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आप लोगों के ग्रामीण क्षेत्रों में जाने से देश की बहुत बड़ी जनसंख्या की वास्तविक समस्याओं से अवगत हो पाएंगे। मैं चाहती हूं कि सभी विद्यार्थियों को समय-समय पर गांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थ करना चाहिए।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि छत्तीसगढ़ की अधिकांश जनता गांव में रहती हैं, उन लोगों तक उचित स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाना चुनौती पूर्ण कार्य है। इस संदर्भ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य में चिकित्सा शिक्षण, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए इस विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान इस विश्वविद्यालय के प्रमुख लक्ष्यों में से एक है। यह प्रसन्नता की बात है कि विश्वविद्यालय और इससे संबद्ध कॉलेजों में आधुनिक चिकित्सा के साथ-साथ आयुष की शिक्षा भी दी जाती है। बहुत सारे कालेजो में नर्सिंग के कोर्स कराए जा रहे हैं। इस प्रकार यह विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अभी भी मलेरिया, फाइलेरिया और टीबी जैसे संक्रमक बीमारियों का पूरी तरह से उन्मूलन नहीं हुआ है। भारत सरकार इन रोगों के उन्मूलन के लिए आगे बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह आपके जीवन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह सफलता आपकी प्रतिभा, लगन और परिश्रम के साथ-साथ आपके माता-पिता, परिवारजनों, शिक्षक के सहयोग और मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि आपको अपने भविष्य की रूपरेखा बनाते समय यह ध्यान रखना है कि आपकी इस शिक्षा में समाज का भी योगदान है। समाज ने आपकी शिक्षा में जो निवेश किया है वह समाज को लौटाना आपका कर्तव्य है। मुर्मु ने कहा कि आपमें स्थानीय समस्याओं की बेहतर समझ है। आप राज्य के स्वास्थ्य समस्याओं पर रिसर्च करें उनका समाधान खोजने का प्रयास करें।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि महान राष्ट्रवादी विचारों एवं भारतीय राजनीति की सम्मानित विभूतियां में से एक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के नाम पर स्थापित इस विश्वविद्यालय में आकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुए बहुत हर्ष हो रही है कि उपाधि प्राप्त करने वाले अधिकांश हमारी बेटियां हैं, यह प्रदर्शन बेटियों के वर्चस्व को रेखाँकित करता है। राष्ट्रपति ने कहा कि दो दिनों के अपने इस छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान मुझे दो इंजीनियरिंग और दो मेडिकल संस्थानों के विद्यार्थियों को संबोधित करने का अवसर मिला। इस दौरान मैं विद्यार्थियों और शोधार्थियों में ललक को महसूस की। ऐसे युवाओं में मेरी भारत की झलक दिखती है और नया भारत जो पूरे मजबूती के साथ विश्व में अपना उचित स्थान पाने के लिए आगे बढ़ रहा है।

राज्यपाल रमेन डेका ने दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उनके अथक प्रयासों, त्याग और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह न केवल विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक उपलब्धि है बल्कि मानव सेवा के मार्ग पर एक उत्कृष्ट शुरुआत है। राज्यपाल डेका ने कहा कि चिकित्सक बनने की यात्रा कठिन है, जिसमें छात्र देर रात तक पढ़ाई, क्लिनिकल प्रशिक्षण और लैब के अनगिनत घंटे बिताते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए चिकित्सा का क्षेत्र केवल ज्ञान और कौशल नहीं, बल्कि ईमानदारी, सहानुभूति और दूसरों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता से परिभाषित होता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा का क्षेत्र लगातार विकासशील है, जिसमें नए-नए रोग, स्वास्थ्य असमानताएँ और तकनीकी परिवर्तन जैसे कई चुनौतियाँ शामिल हैं। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि यह चुनौतियाँ चिकित्सा के क्षेत्र में नवाचार और सुधार का अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सक के रूप में उन्हें ऐसे क्षणों का सामना करना पड़ेगा जब मरीज उनके अथक प्रयासों के बावजूद ठीक नहीं हो पाएंगे, परंतु इस दौरान भी उनका करुणामय दृष्टिकोण सबसे महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के इस पेशे में सफलता के साथ विनम्रता बनाए रखना आवश्यक है और मानवता की सेवा के प्रति सच्ची निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय के 33 मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक और 6 छात्रों को सुपर स्पेशलिटी की उपाधि मिलने पर बधाई दी और कहा कि चिकित्सा का क्षेत्र मानवता की सेवा का प्रतीक है। उन्होंने सभी स्नातक छात्रों को समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ दायित्व निर्वहन और सेवा भाव से कार्य करने की बात कही। मुख्यमंत्री ने आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी जैसे पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की बढ़ती लोकप्रियता का भी जिक्र किया और प्रसन्नता व्यक्त की कि विश्वविद्यालय इन पद्धतियों में भी शिक्षा प्रदान कर रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय का नामकरण उनके नाम पर होना हमें उनके सिद्धांतों और समाज के हर तबके तक सेवा पहुंचाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने महामारी, विज्ञान रोग नियंत्रण एवं अनुसंधान संस्थान और शिक्षकों के प्रशिक्षण संस्थान को देश के चिकित्सा क्षेत्र में मील का पत्थर बताया।पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रदीप कुमार पात्रा ने संस्थान का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कुलपति ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह और शाल मेंट किया।

सीएम हाउस में राष्ट्रपति ने रोपा बेल का पौधा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आमंत्रण पर उनके नवा रायपुर स्थित निवास पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने निवास परिसर में बेल का पौधा रोपा। उनके साथ राज्यपाल रमेन डेका ने आंवला का पौधा रोपा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय, उप मुख्यमंत्री अरूण साव भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मु के स्वागत में जशपुर जिले से आए करमा नर्तक दल ने मनमोहक शैली में नृत्य प्रस्तुत किया। इन मंजे हुए कलाकारों की मांदर की थाप पर लयबद्ध प्रस्तुति देखकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने करमा नर्तक दलों के बीच पहुंचकर उनका उत्साहवर्धन किया और उनके साथ फोटो खिंचवाई।

राष्ट्रपति मुर्मु एवं राज्यपाल डेका ने महाप्रभु जगन्नाथ भगवान के किए दर्शन

रराष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और राज्यपाल रमेन डेका ने आज सुबह गायत्री नगर रायपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर में महाप्रभु जगन्नाथ भगवान की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों सहित देशवासियों की समृद्धि एवं सुख-शांति की कामना की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा एवं मंदिर समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति मुर्मु को राज्यपाल डेका ने स्मृति चिन्ह किए भेंट

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के छत्तीसगढ़ के प्रवास के अंतिम दिन राजभवन में उन्हें ससम्मान बिदाई दी गई। राष्ट्रपति मुर्मु को राज्यपाल रमेन डेका द्वारा छत्तीसगढ़ की पहचान, बेल मेटल से निर्मित स्मृति चिन्ह और विश्व प्रसिद्ध कोसा की साड़ी भेंट की गई। राष्ट्रपति मुर्मु ने भी राष्ट्रपति भवन की काष्ठ से निर्मित प्रतिकृति उन्हें भेंट की। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला रानी डेका काकोटी भी उपस्थित थी।

महत्वपूर्ण एवं खास

लोंगडिंग में सेना की बड़ी कार्रवाई: भीषण मुठभेड़ में मार गिराया एक आतंकी, गोला बारूद बरामद

लोंगडिंग (आरएनएस)। अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले में भारतीय सेना ने एक आतंकी को मार गिराया है। चांगखाओ क्षेत्र में आतंकियों और सेना के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें एक आतंकी मारा गया। भारतीय सेना की स्पीयर कोर ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले के चांगखाओ क्षेत्र में उग्रवादियों की गतिविधि की खुफिया जानकारी मिलने पर असम राइफल्स ने 25 अक्टूबर 2024 को तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान आतंकियों ने जवानों पर गोलीबारी शुरू कर दी। त्वरित प्रतिक्रिया करते हुए जवानों ने जवाबी कार्रवाई की और गोलीबारी में एनएससीएन (के-वाईए) का एक उग्रवादी मारा गया। घटनास्थल से एक पिस्तौल और युद्ध सामग्री बरामद की गई।

बर्निंग ट्रेन बनने से बची इंटरसिटी एक्सप्रेस, एसी कोच में अचानक लगी आग; यात्रियों में मचा हड़कंप

झांसी (आरएनएस)। खजुराहो से उदयपुर जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस बर्निंग ट्रेन बनने से बाल-बाल बच गई। इंटरसिटी एक्सप्रेस के एसी कोच के इलेक्ट्रिक पैनल में अचानक आग लग गई, जिससे यात्रियों में हडक़ंप मच गया। रेल कर्मियों ने अग्निशामक यंत्रों से आग को बुझाया। इस बीच दमकल की गाडिय़ां भी पहुंच गईं। आग बुझने के बाद ट्रेन को रवाना किया गया। हादसे के कारण ट्रेन लगभग 52 मिनट तक मऊरानीपुर रेलवे स्टेशन पर खड़ी रही। इंटरसिटी एक्सप्रेस (19665) दोपहर 12.34 बजे मऊरानीपुर रेलवे स्टेशन पहुंची। ट्रेन जैसे ही झांसी की ओर रवाना हुई तभी ट्रेन के एसी कोच एम-2 के इलेक्ट्रिक पैनल में आग लग गई। घटना की जानकारी होते ही स्टेशन मास्टर ने ट्रेन को रुकवा दिया। पैनल में आग लगने से पूरे कोच में धुंआ भरने लगा। ट्रेन के रुकते ही सभी यात्री प्लेटफार्म पर उतर गए। कड़ी मशक्कत के बाद रेलवे कर्मियों ने आग को बुझा लिया।

लद्दाख के बाद अरुणाचल प्रदेश के यांग्त्से में भी शुरू होगी पेट्रोलिंग, भारत-चीन के बीच बनी सहमति

नई दिल्ली । आरएनएस

भारत और चीन दुनिया की सबसे लंबी और विवादित सीमा साझा करते हैं, जिसे लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल यानी एलएसी कहते हैं। ये 3488 किलोमीटर लंबी सीमा है। ये इतनी लंबी रेखा है कि भारत और चीन, लद्दाख से लेकर अरुणाचल तक कई हिस्सों में अपना अलग-अलग दावे करते हैं और इससे टकराव की स्थिति बढ़ जाती है। लेकिन अब कुछ इलाकों और वहां पेट्रोलिंग को लेकर आपसी सहमति बनी है।

आर्मी सूत्रों के मुताबिक, भारत और चीन के बीच में कुछ इलाकों को लेकर आपसी सहमति बनी है और पेट्रोलिंग फिर से शुरू की जाएगी, जिसमें अब अरुणाचल प्रदेश का यांग्त्से भी शामिल है। इस क्षेत्र में चीनी सैनिकों को गश्त की अनुमति दी जाएगी। यांग्स्ते में पहले की तरह चीनी सैनिक पैट्रोलिंग कर सकेंगे और गश्त के दौरान एक दूसरे की आवाजाही को अवरुद्ध नहीं किया जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, तवांग में यांग्त्से दोनों देशों के बीच चिन्हित विवादित क्षेत्रों में से एक है और यहां पीएलए की गश्त अन्य क्षेत्रों की तुलना में असामान्य रूप से बड़ी है। इस क्षेत्र में चीनी पीएलए के साथ अक्सर भारतीय सैनिकों का आमना-सामना होता रहा है। इस क्षेत्र में 2011 से लगातार भारतीय सैनिक और क्कस्र के बीच में झड़पें भी होती रही हैं।

वहीं हर साल गर्मियों के महीनों के दौरान कुछ न कुछ झड़प की सूचना भी मिलती है। 9 दिसंबर, 2022 को भारतीय सैनिक और क्कस्र यहां आपस में भीड़ गए थे। भारत और चीन के बीच समझौते के बाद पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर भारत-चीन के बीच डिसइंगेजमेंट शुरू हो गया। शेड, टेंट जैसे अस्थायी ढांचे को हटाया जा रहा है। नए समझौते सिर्फ डेमचोक और देपसांग में लागू होंगे।

बंगाल स्कूल नौकरी मामला

ईडी ने बिचौलिए की 163 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की

कोलकाता । आरएनएस

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में 163.20 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है।

ईडी ने शनिवार को एक बयान में बताया कि यह जब्ती पश्चिम बंगाल के विभिन्न सरकारी स्कूलों के लिए ग्रुप-सी और ग्रुप-डी श्रेणियों में गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती में चल रही जांच के संबंध में है।

बयान के अनुसार, ईडी अधिकारियों ने जिन संपत्तियों को जब्त किया है, वे मामले में मुख्य बिचौलिए प्रसन्ना कुमार रॉय, उनकी पत्नी और रॉय से जुड़ी एक कॉर्पोरेट इकाई के नाम पर थीं।

बयान के अनुसार, ईडी ने पश्चिम बंगाल में डब्ल्यूबीएसएससी के अधिकारियों द्वारा किए गए ग्रुप 'सी' और 'डी' स्टाफ भर्ती घोटाले में 163.20 करोड़ रुपये के होटल/रिसॉर्ट और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। ये संपत्तियां मुख्य बिचौलिए प्रसन्ना कुमार रॉय, उनकी पत्नी काजल सोनी रॉय और प्रसन्ना कुमार रॉय द्वारा नियंत्रित कंपनी दुर्गा डीलकॉम प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर थीं। इस मामले में अब तक कुल 544.8 करोड़ रुपये की कुर्की/जब्ती की गई है।

स्कूल में नौकरी के बदले नकदी मामले की जांच शुरू करने वाले केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारियों द्वारा पहली बार गिरफ्तार किए जाने के बाद रॉय फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

वर्तमान में रॉय न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई अधिकारियों ने उन्हें गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी ने पहले स्कूल में नौकरी के बदले नकदी मामले की जांच शुरू की थी।

स्कूल नौकरी मामले में ईडी और सीबीआई साथ-साथ जांच कर रहे हैं, जिसमें शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती में अनियमितताएं शामिल हैं। रॉय, उनकी पत्नी और रॉय से जुड़ी कॉर्पोरेट संस्थाओं के नाम पर विभिन्न खातों की फॉरेंसिक ऑडिट भी की गई।

रॉय के पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के महासचिव पार्थ चटर्जी के साथ पारिवारिक संबंध हैं, जो स्कूल नौकरी मामले में कथित संबंधों के कारण इस समय न्यायिक हिरासत में हैं।

स्टेटिक सर्विलांस टीम की बड़ी कार्यवाई, पुणे से पकड़ी 139 करोड़ रुपए की सोने की खेप

पुणे । आरएनएस

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग की स्टेटिक सर्विलांस टीम ने 139 करोड़ रुपये की सोने की खेप पकड़ी है। यह सोने की खेप एक लॉजिस्टिक सर्विस फर्म के वाहन से पकड़ी गई है। हालांकि पुणे के एक ज्वैलर्स फर्म ने दावा किया है कि सोने की यह खेप वैध है।

महाराष्ट्र के पुणे में एसएसटी को तैनात किया गया है। पुलिस उपायुक्त (जोन 2) स्मार्तना पाटिल ने बताया कि सहकारनगर इलाके में सीक्वल ग्लोबल प्रेशियस लॉजिस्टिक्स के एक टेम्पो अचानक रोका गया। तलाशी लेने पर पता चला कि टेम्पो में रखे बक्सों में आभूषण हैं। यह टैम्पो मुंबई से आया था। इसके बाद मामले की जानकारी आयकर विभाग और चुनाव अधिकारियों को दी गई। टेम्पो में मिले आभूषण की कीमत 139 करोड़ रुपये आंकी गई है।

आभूषण कंपनी पीएन गाडगिल एंड संस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित मोदक के मुताबिक आभूषणों की यह खेप वैध है। यह पुणे के विभिन्न सोनारों की दुकानों के आभूषण हैं। इसमें उनकी कंपनी का 10 किलोग्राम माल भी शामिल है। हर आभूषण के साथ जीएसटी का चालान भी जुड़ा है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत में जर्मन विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक के साथ कई मुद्दों पर की चर्चा

नई दिल्ली । आरएनएस

भारत दौरे पर आईं जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बैरबॉक के साथ वैश्विक और समकालीन विश्व के मुद्दों पर चर्चा करते हुए भारत और जर्मनी के महत्वपूर्ण सहयोग और समन्वय को चिह्नित किया।

विदेश मंत्री जयशंकर ने जर्मनी के वाइस चांसलर रॉबर्ट हेबेक के साथ भी सार्थक बातचीत की। रॉबर्ट हेबेक जर्मनी के आर्थिक मामलों और जलवायु कार्रवाई मंत्री भी हैं। ये चर्चाएं सातवें भारत-जर्मनी अंतर-सरकारी परामर्श (आईजीसी) बैठक का हिस्सा थी।

विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर बताया कि आईजीसी की बैठक सफल रही। उन्होंने बैरबॉक और हेबेक के साथ अपनी अलग-अलग बैठकों की तस्वीरें पोस्ट की।

जयशंकर ने एक्स पर लिखा, आज सफल आईजीसी बैठक के बाद जर्मनी के विदेश मंत्री एनालेना बैरबॉक से मिलकर खुशी हुई। कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। हमारी रणनीतिक साझेदारी अपने 25वें वर्ष में प्रवेश करते हुए और भी गहरी होती जा रही है।

विदेश मंत्री के इस बयान से भारत और जर्मनी के बीच लगातार मजबूत होते संबंधों के बारे में पता चलता है। हबेक ने अपनी भारत यात्रा के दौरान शुक्रवार को भारत के कई मंत्रियों से बातचीत की। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि उनकी हेबेक के साथ अच्छी बातचीत हुई और दोनों नेताओं ने दुनिया में इस समय चल रही वैश्विक चुनौतियों पर भी चर्चा की।

विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जर्मनी के वाइस-चांसलर और आर्थिक मामलों एवं जलवायु कार्रवाई मंत्री रॉबर्ट हेबेक के साथ अच्छी बातचीत हुई। सामरिक और आर्थिक दोनों तरह की समकालीन वैश्विक चुनौतियों पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

हबेक ने दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर तक पहुंचने के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ दिल्ली मेट्रो से यात्रा भी की। जर्मनी से आए अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए गोयल ने कहा, हमारा प्रयास भविष्य के लिए तैयार शहरों का निर्माण करना है जो बड़ी मात्रा में यातायात को संभालने में सक्षम हों। बता दें कि इससे पहले शुक्रवार को एशिया प्रशांत सम्मेलन के दौरान, हेबेक ने इन आर्थिक बदलावों में एक बड़े एवं महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में भारत की भूमिका को भी बताया था।